>

Title: Need to launch employment generation scheme in urban areas on the lines of Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Scheme.

श्री नारायण सिंह अमलाबे (राजगढ़): भारत सरकार की ""मनरेगा"" (महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना) एक बहुत अति महत्वपूर्ण योजना है जिसके अंतर्गत गरीब लोग अपने ही घर व गांव में रहकर मजदूरी करते हैं, अपने ही खेतों में मेढ़बन्दी करते है, कपिलधारा कूप का निर्माण करते हैं, ग्राम के आंतरिक मार्ग एवं गेबल रोड़ जैसे अनेकों कार्यों को करके उनके जीवन स्तर में धीरे-धीरे सुधार भी आ रहा है। आवेदन करने के उपरांत भी रोजगार नहीं मिलने पर उतने दिनों का बेरोजगारी भत्ता दिए जाने का भी प्रावधान है। लेकिन सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना में देश की केवल ग्रामीण आबादी के ही किसानों व मजदूरों को ही लाभ मिल रहा है। ऐसा नहीं है कि किसान व मजदूर वर्ग ग्रामीण क्षेत्रों में ही निवास करता हो, कई ऐसे लघु व सीमांत किसान व मजदूर है जो शहरी व नगरीय क्षेत्रों में निवास करते हैं, उनके लिए ""मनरेगा"" जैसी रोजगार की गारंटी देने वाली कोई योजना नहीं है। हालांकि शहरी क्षेत्रों में ""स्वर्ण जयन्ती शहरी मजदूर रोजगार योजना"" संचालित है, लेकिन इसमें भी शत-प्रतिशत मजदूरों को रोजगार देने की कोई गारंटी नहीं है।

मेरा सरकार से इस संबंध में अनुरोध है कि ""मनरेगा"" की ही तर्ज पर शहरी एवं नगरीय क्षेत्रों में निवास करने वाले लघु एवं सीमांत किसानों तथा मजदूरों के लिए भी रोजगार की शत-प्रतिशत गारंटी संबंधी कोई ऐसी योजना लागू की जानी चाहिए जिससे कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के मजदूरों के बीच इस प्रकार का विरोधाभास समाप्त हो सके।